Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2017: 5.068, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFERRED JOURNAL, JUNE-JULY, 2019, VOL- 7/34

Mk- ch- vkj- अम्बेडकर का शैक्षिक–चिन्तन एंव दलितोद्धार

Satyendra Singh, Ph. D.

Head – Department of Education, Government P G College Maant, MATHURA

E-mail: sschahar11@gmail.com

Abstract

शिक्षा ही गुलामी की जंजीरों को तोड़ने, स्वाभिमान जागृत करने तथा उत्तम नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने यह सिफारिश की समाज में शिक्षा ही समानता ला सकती है। जब मनुष्य शिक्षित हो जाता है तो उसमें विवेक व सोच की शक्ति पैदा हो जाती है जिससे अच्छे&cj dk Kku vkj fu.k; yu dh {kerk vk जाती है। शिक्षा का द्वार सबके लिये खुला रहना चाहिय। Mk- ch-vkj- vEcMdj dk fopkj Fkk fd – शिक्षा ,d ,lh noh; nu g ftl iR;d 0;fDr dh igp d vUrxr ykuk pkfg;A tur= vkj lektokn dk lQy cuku d fy; सामान्य शिक्षा का प्रसार आवश्यक हो जन साधारण के शिक्षा के बिना समाजवाद का स्वप्न अधूरा ही बना रहेगा। वे चाहते थे कि सभी निर्धन तथा दलित समुदायों को भेदभाव के बिना शिक्षा सुलभ gk tk; rkfd o jk"ट्रीय जीवन में प्रगति कर सकें। उन्होंने पुरूषों की शिक्षा के साथ–साथ स्त्री शिक्षा पर भी बल दिया। वर्तमान समय में दलित वर्ग का शैक्षिक एंव सामाजिक विकास डॉ- ch-vkj- अम्बेडकर के शैक्षिक fpUru dk gh ifj.kke gA

lkfjHkkf"kd dq×thः दलितोद्धार, शैक्षिक चिन्तन, शैक्षिकसमानता, समाजवाद, शैक्षिक लक्ष्य A

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

शोध प्रविधि: iLrr v/;;u ^Mk- ch-vkj- अम्बेडकर के शैक्षिक चिन्तन का विश्लेषणात्मक विवेचन' (दलितोद्धार के विशेष सन्दर्भ में) किया जा रहा है।डॉ- vEcMdj d fpUru dk jk"Vokn vkj jk"Vh; ,dhdj.k d ldkjkRed nf"Vdk.k dk ,frgkfld ,o विश्लेषणात्मक ifof/k d lfEeJ.k }kjk vUof"kr fd;k x;k g ftle ^fuxeukRed i)fr*,o ,frgkfld i)fr nkuk dk i;kx fd;k x;k gA

foospukः सामाजिक क्रान्ति के जनक, शिक्षाविद् डॉ- ckck lkgc **अम्बेडकर ने इस देश को बहुजन दलित समाज को 'शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघ"k** djk* dk e= nfyr leL;kvk ,o mudh lek/kku dk fy;s fn;k Fkk] जिससे दलितों में शिक्षा के प्रति चेतना जाग सके, क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे समाज में फैले जातिवाद, छुआछूत जैसे अंधकारों को आसानी से मिटाया जा सकता है। सामान्यतः शिक्षा का अर्थ है, व्यक्ति के lep 0;fDrRo dk lokxh.k विकास, उसकी 'kkjhfjd] ckf)d ekufld ,o pkfj=d mUufr l gA Mk Hkhejko vEcMdj dk **विचार था कि शिक्षा एक ऐसी वस्तु है जो प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचनी चाहिये। साथ ही**

शिक्षा सस्ती से सस्ती हो, ताकि निर्धन से निर्धन व्यक्ति भी शिक्षा iklr dj ldA **उल्लेखनीय है कि हमारे देश में दलित वर्ग अतीत काल से शिक्षा से सर्वथा वंचित रखा गया** ftl l og **प्रत्येक क्षेत्रों में पिछड़ गये, शूद्रों की शिक्षा पर कठोर प्रतिबन्ध लगा दिया गया और शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार केवल ब्राह्मणों, क्षत्रियों एवं वैश्या** rd ifjlhfer dj fn;k x;kA इस प्रकार पूर्व स्वतंत्रता कालीन भारतीय इतिहास दलित वर्गों को शिक्षा प्राप्त करने के vf/kdkj l i.kr% ofpr j[krk gA lfo/kku d ek/;e l vkiu Hkkjrh; lfo/kku d vuPNn 45 e 6 l 14 o"k d ckyd] ckfydkvk dh vfuok;l ikjfEHkक शिक्षा 10 वर्ष e i.k fd; tku dk ldYi 0;Dr fd;kA vk/h शताब्दी के बाद भी विश्व जनसंख्या के 50 प्रतिशत निरक्षरों की संख्या केवल हमारे देश में ही है। इसमें भी दो–तिहाई संख्या तो महिलाओं की है। लाखों बच्चे आज भी शिक्षा से काफी nj g ;fn ge oर्तमान परिदृश्य को देखते हैं तो यह असम्भव ही लगता है कि सन् 2010 तक हम प्रारम्भिक शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने के लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकेंगे। कोठारी कमीशन, चट्टोपाध्याय vk;kx] jk"ट्रीय शिक्षा नीति– 1986 तथा ^jkekefrl vk;kx* की अनुशंसाओं के बाद सन् 1992 e स्वीकृत शिक्षा नीति की कार्य–योजना पर जिस ढंग से अमल होना चाहिये थk og ugh gk ik;kA fiNy 50 o"kk e यदि हम दलित व पिछड़े वर्गों की शS{kf.kd fLFkfr dk n[kr g rk ge ik;x fd 70 प्रतिशत से अधिक आबादी न्यूनतम स्तर तक भी शिक्षा पाने से ofpr jgh gA

Mk- vEcMdj u dgk Fkk ^vkneh doy jkVh ij gh thfor ugh jg ldrk mldk efLr"d **भी मिला हुआ है जिसे विचारों की खुराक चाहिये और यह शिक्षा प्राप्त करने पर ही आ** ldr gA*[10] **उन्होंने अपने गुरु ज्योतिबा फुले के आदर्शों पर चलकर सर्वप्रथम देश** dh **बहुसंख्यक जनता जो दलित थी, शिक्षा प्राप्त करने का न केवल संदेश दिया वरन् अपने प्रयासों से मुम्बई एवं औरंगाबाद में कॉलेज खुलवाए व विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया क्योंकि वे यह अनुभव कर चुके थे कि शिक्षा ही गुलामी की जंजीरों को** tkMu] LokfHkeku tkxr djus rFkk mRre ukxfjd cuu e lgk;d fl) gkxhA mUgksu ;g **सिफारिश की समाज में शिक्षा ही समानता ला सकती है। जब मनु"य शिक्षित हो** jkrk g rk **उसमें विवेक सोच की** शfDr ink gk tkrh g ftl l vPN&cj dk Kku vkj fu.k; yu dh {kेता **आ जाती है। शिक्षा का द्वार सबके लिये खुला रहना चाहिय। उन्होंने कहा– शिक्षा** ,d ,lh pht g ftl iR;d 0;fDr dh igp d vUrxr ykuk pkfg;A mudh nf"V e जनतंत्र और समाजवाद को सफल बनाने के लिये सामान्य शिक्षा का प्रसार आवश्यक हो जन साधारण के शिक्षा d fcuk lektokn dk Lolu v/kjk gh cuk jgxkA o pkgr Fk fd lHkh fu/ku rFkk nfyr lenk;k dk HknHkko d fcuk शिक्षा सुलभ हो जाये ताकि वे राष्Vh; thou e ixfr dj ldA mUgksu i:"ों की शिक्षा के साथ–साथ स्त्री शिक्षा पर भी बल दिया। ^egkM ifj"kn* e mUgksu dgk Fkk

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

^lnkpkj vkj fo|k dloy i:"ों के लिये ही नहीं है उनकी आवश्यकता महिलाओं के लिये भी है। अपनी पीढ़ी सुधारना है तो अपने बच्चों को शिक्षा का दान करो।' शिक्षा सम्बन्धी मुद्दे tks अम्बेडकर जी ने शिक्षा मंत्री के fopkjkFk j[k &

1- 'हमारे देश में शिक्षा के सम्बन्ध में हमारी प्रगति अत्यन्त धीमी है उनके अनुसार स्कूल जाने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोत्तरी शिक्षा पर खर्च में हुई बढ़ोत्तरी के अनुरूप नहीं है हम शिक्षा पर कम से कम उतनी राशि खर्च dj ftruh ge ykxk l mRikn 'kqYd ds :i es ysrs gSA*
2- प्राथमिक शिक्षा पर अत्यधिक पैसे खर्च करें। प्राथमिक शिक्षा का उद्देश्य यह है कि ikFkfed fo|ky; e nkf[ky gku okyk gj cPpk Ld\y rHkh NkM tc og lk{kj हो जाए और अपने शेष thou e lk{kj cuk jgsA

ijUr fLFkfr ;g g fd ikFkfed fo|ky; e nkf[kyk yu oky gj ,d lk cPp e l doy 18 cPp gh d{kk 4 rd igpr g vkj 100 e l 82 cPp iuk fuj{kjrk dh nfu;k e py tkr gA ;fn m l d{kk 4 rd ugh igpk;k tk;xk rk geu m l ij tk [kp igy gh fd;k g og cdkj pyk tk;xkA pkg ;g vkfFkd gk ;k शारीरिक शोषण। अस्पृश्यता के कारण अभी भी इनसे dN {k=k e Hkn Hkko i.k jo;k viuk;k tkrk gA tkfrxr ruko vkj l?k"k vk; fnu gkr jgr gA vkfFkd vlekurk; Hkh vHkh fn[kkb nrh gA db ykxk dk HkjiV Hkk tu rd ugh fey ikrk gA db ckj rk budk vkfFkd rxh d dkj.k ufrd iru gk tkrk g ;k fQj ekr dk xy yxkuk iMrk gA jktuhfrd {k= e Hkh mPp Lrj dk NkMdj n[k rk fupy Lrj xko ,o ब्लाक स्तर पर इनको प्रभावशाली राजनेताओं द्वारा दबाया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में Hkh bld साथ समानता का व्यवहार नहीं किया जाता है। साथ ही इनकी निरक्षरता क प्रतिशत काफी बढ़ा gvk g] tk bud fodkl e ck/kd cuk gvk gA nfyrk dh ,d leL;k mud e/; ik; tku okyk mPprk vkj fuEurk dk lLrj.k Hkh gA nfyrkRFkku dk n`f"Vxr j[krs g, Mk- अम्बेडकर ने शिक्षा में बढ़ते व्यावसायीकरण से सम्बन्धित कहा कि इसे बंद करना चाहिये। शिक्षा तो एक ऐसा उपहार है जो कि सबको मिलना चाहिये। शिक्षा को सभी सम्भव mik;k l O;kid :i l ljy cukuk pkfg;A ftl l fupy rid d nfyr] fu/ku rFkk fiNM oxZ d yksग शिक्षा आसानी से प्राप्त कर सकें। भारत में विभिन्न वर्गों में शिक्षा के तुलनात्मक विकास में बहुत असमानता पाई जाती है इन सभी जातियों का lekt e LFkku vkj fodkl ,d leku ugh g vxj budk ,d Lrj ij ykuk g rk bldk ,dek= lek/kku ^lekurk d fl)kUr* dk viukuk(vkj Lrj l uhp okyk d ifr vudy crko djuk gSA

fu"d"k ,o l>ko%

डॉ भीमराव अम्बेडकर विचारों के विश्लेषण से ;g Li"V g fd Nk=ofRr i.kkyh okLro e ljdkjh /ku dk jktufrd n#i;kx gA Nk=ofRr dk 0;fDr viu [kp dk ijk dju okyh lgk;rk d :i e yrk g ftl राष्ट्रीय शैक्षिक y{; rd dHkh ugh igp ldrkA blfy; bl /ku dk mi;kx Nk=kokl dh vfHkof) d fy; dj ftl Lo; ljdkj cuk;] pyk; ;k fiNMh जातियों को शिक्षा को बढ़ावा देने वाली शिक्षा निजी संस्था को दे। जिससे उसे प्रभावी fujh{k.k miyC/k gk rFkk Nk=kokl लड़कों को गंदे माहौल से दूर रखता है। उन्होंने दलित वर्गों की शिक्षा की देखभाल करने के लिये भी विशे" ा निरीक्षक वर्ग की आवश्यक पर बल दिया। mudk }kjk fn;k x;k fopkjk dk vkt Hkh iklfxdrk blfy; g D;kfd vkt Hkh vछूत, **दलित समझा जाने वाला वर्ग शिक्षा प्राप्ति में बहुत पीछे है; उनके उन्हीं विचारों से आज समाज में परिवर्तन आया है; दलित वर्ग भी शिक्षा** ikflr e fujUrj yxk gvk g ftld Li"V mnkgj.k nfyr lkfgR; vdkneh o vktDl }kjk nfyr oxk e vEcMdj ihBk dh LFkkiuk, **करके शिक्षा का प्रसार करना, दलित** lkfgR; dk c<kok nu gr i=&if=dkvk d ek/;e l nfyr ox e pruk ykuk dk dk;l **चल रहा है। जिसका माध्यम शिक्षा ही है। ज्ञान किसी एक देश, जाति,** vFkok ekuo leg dk ,dkf/kdkj ugh(blds }kj rk lHkh d fy; [kky tku pkहिये। **शिक्षा व्यक्ति में आत्म** lEeku dh Hkkouk dk txkrh g rHkh mldk lkekftd&vkfFkd fodkl gkrk gA

- nfyrk d mRFkku d fy; dUn ,o jkT; ljdkjk }kjk foxr o"kk e lpkfyr o fØ;kfUor विभिन्न हितकारी ;kf{kd ;ktukvk rFkk ifj;ktukvk dk bekunkjh l ykx rFkk fØ;kfUor djk;k tk; rkfd vfUre Nk= dk Hkh mu ;ktuk dk lefpr ykHk fey ldA
- शिक्षा के क्षेत्र में पाये जाने जाति वर्ग सम्बन्धी भेदभाव को समाप्त करने हेतु इसी वर्ग के लोगों dk ifrfuf/kRo lLFkkvk e c<k;k tk;] rkfd budh lgHkkfxrk }kjk mUg ikRlkfgr fd;k जा सके। महिला साक्षरता, शिक्षा तथा रोजगारों के अवसर सुलभ कराने पर विशेषk cy fn;k tk; rkfd o vkRefuHkj o LokoyEch cu ldA
- राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये चलाई जा रही योजनाओं में सार्वजनिक धन के दुरुपयोग ij jkd yxkb tkuh pkfg;A
- डॉ भीमराव अम्बेडकर के शैक्षिक – सामाजिक चिन्तन एंव दर्शन के प्रभाव–वश वर्तमान समय में निश्चित ही दलित वर्ग की शैकक्षक, सामाजिक व आर्थिक प्रस्थिति सुदृढ़ हुई है।

lnHk%

Singh S. S. (2009) Dr. Baba Saheb Ambedkar : Writings and Speeches, Vol. VI, Education Dept., Govt. of M. P. , p- 69.
Dhananjay Keer ; (2011) Ambedkar : Life and Mission, Popular Prakashan, New Delhi, p- 71.
flg ,y0 d0 (¼2011½ bDdhloh lnh e vEcMdjokn] ,fDll प्रकाशन हरिनगर, ub fnYyh] i"B 91
eh.kk vkj-ih- (¼2013½ vEcMdjokn तथा सामाजिक परिवर्तन, प्रकाशित ¼kks/k i=] vEcMdj ihB if=dk] foØe fo0fo0 mTtu] o"k 2003] i" B 125&126
iky ftrUn dekj (¼2013½ ckck lkgc vEcMdj d ' शैक्षिक fopkjk dh iklfxdrk] शोध लेख, पत्रिका: अम्बेडकर विमर्श और परिवर्तन, foØe fo0fo0 mTtu ¼e-i-½ iokDr¼ 2003] i"B 184
vydk ,-vkj- (¼2014½ ^ckck lkgc u dgk Fkk] lkfgR; lnu] fl)kFk ekx] vyhx<] i"B 13&15*

परिशिष्टः

डॉ० अम्बेडकर द्वारा अर्जित डिग्री और सम्मान : एक दृष्टि में

fMxh	*ikflr o"k*	*ifr"Bku*	*dk;kjEHk*	*fo"k; ¼ lUnHk*
,e-,-	1915	कोलम्बिया विश्वविद्यालय	1913 l	ब्रिटिश भारत का वाणिज्य (एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड फिनान्स vkQ fn bLV bf.M;k dEiuh½
ih&,p-Mh-	1917 ¼1917 l gh mi;kx dh vuefr½1921	कोलम्बिया विश्वविद्यालय	1916 l	Hkkjr dh jk"Vh; vkenuh (नेशनल डिविडेंड ऑफ bf.M;k , fgLVkfjd ,.M ,ukfyfVdy LVMh½
,e-,l lh-	1922	लन्दन विश्वविद्यालय	1916 l ¼chp e vkfFkd dkj.k l fjlp e ck/kk½	ब्रिटिश भारत की आय (प्रॉविसिन्यल डीसेट्रालाइजेशन vkQ bEikfj;e fQukUl bu ब्रिटिश इण्डिया)
Mh-,l lh-	1923	लन्दन विश्वविद्यालय	1918 l	:i;k dh leL;k ¼fn ikCye vkQ fn :ih½
ckj ,V yk	1923	लन्दन विश्वविद्यालय	1918 l	Dkuu
,y,y-Mh-	1952	कोलम्बिया विश्वविद्यालय	lEekfur fMxh	¼lfo/kku ltu d dfrRo d fy,½
Mh-fyV-	1953	mLekfu;k fo-fo- ¼gnjkckn½	lEekfur	lkefxd vonku d fy,
HkkjrjRu mikf/k ej.kkijkUr	1990	Hkkjr ljdkj inRr jk"Vh; lEeku	lEekfur	जन्मशती वर्ष dk lEeku